Code No. **4/3**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क

1. (क) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(i) मृग, सखी। (लिंग-परिवर्तन कीजिए।) 1

(ii) मैं शहर से बाहर जा रहा हूँ। (रेखांकित का कारक बताइए) 1

(iii) बाढ़ में नदी का पुल टूट गया। (रेखांकित का वचन बदलकर पूरा वाक्य लिखिए) 1

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 2

(i) दादी द्वारा कहानी सुनाई जा रही है। (कर्तृवाच्य में)

(ii) लेखक पुस्तक लिख रहा है। (कर्मवाच्य में)

(iii) आओ, खेलें। (भाववाच्य में)

(ग) शब्द और पद में क्या अंतर है ? उदाहरण देकर समझाइए। 2

(घ) (i) रेखांकित पदों का पदभेद लिखिए : 1

उसे भाषण में प्रथम पुरस्कार मिला।

(ii) निम्नलिखित में से किसी **एक** क्रिया का भेद लिखिए : 1

(1) वे कहाँ रहते हैं ?

(2) उसने पत्र लिखा है।

2. (क) नीचे लिखे शब्दों में से किन्हीं ***दो*** में विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए : 2

ग्रामसेवक, सोना-चाँदी, आजीवन ।

(ख) नीचे लिखे शब्द-समूहों में से किन्हीं ***दो*** में समास कीजिए और समास का नाम भी लिखिए : 2

युद्ध का क्षेत्र, महान् है आत्मा जिसकी, नया है गीत जो ।

3. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं ***दो*** में संधि कीजिए : 2

सु + आगत, महत् + आकार, लघु + उत्तर ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं ***दो*** में संधि-विच्छेद कीजिए : 2

उच्चारण, पूर्णेन्दु, शशांक ।

4. (क) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(i) तुम यहाँ क्यों आ गए ? (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए) 1

(ii) जैसा बोओगे, वैसा काटोगे। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए) 1

(iii) ओह, कैसी भयानक बाढ़ है ! (विधानार्थक वाक्य में बदलिए) 1

(iv) घर जाकर गृहकार्य पूरा करो। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(v) मैं चाहता हूँ कि <u>सभी ध्यान दें</u>। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए) 1

(vi) निम्नलिखित वाक्यों का संश्लेषण एक सरल वाक्य में कीजिए : 1

(1) गाँव में बाढ़ आ गई।

(2) समुद्र जैसा दृश्य हो गया।

(3) लोगों के घर डूब गए।

(ख) यथास्थान उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए : 2

किसी ने कहा है जो दूसरों की सहायता करता है उसकी सहायता ईश्वर करता है

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 2

(i) एक गरम कप टमाटर का सूप पीते जाओ।

(ii) हम तो पहले ही बता दिए थे।

(iii) माताजी आने वाले हैं।

खण्ड ख

5. निम्नलिखित में किसी ***एक*** विषय पर दिए गए बिंदुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) <u>जब आए संतोष धन, सब धन धूल समान</u>

- संतोष क्या है ? धन-संपत्ति से संतोष नहीं।
- असंतोष से मानसिक तनाव, ईर्ष्या, झगड़े
- संतोष के लाभ
- क्या संतोषी भी प्रगति कर सकता है ? कैसे ?
- संतोषी सदा सुखी

(ख) हमको हैं प्यारे राष्ट्रपति हमारे

- वर्तमान राष्ट्रपति का नाम, देश के सर्वोच्च पद पर
- बचपन, शिक्षा-दीक्षा, परिवार आदि
- साधारण से असाधारण बनने तक की यात्रा
- प्रसिद्ध वैज्ञानिक, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ
- सरल स्वभाव, बच्चों से प्रेम, बच्चों से बातें करना
- आदर्श और प्रेरक जीवन, भविष्य-दृष्टि

(ग) मेरा प्रिय खेल

- जीवन में खेलों का महत्त्व, प्रिय खेल का नाम
- यही खेल क्यों प्रिय है
- मैदान, समय, खिलाड़ी, वरदी, उपकरण आदि
- खेलने का ढंग, संघर्ष
- चुस्ती, फुर्ती, तालमेल आदि
- भारत में / विश्व में इस खेल का भविष्य

6. समाचार-पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कीजिए। 5

अथवा

पिताजी को पत्र लिखकर स्पष्ट कीजिए कि इस वर्ष आप ग्रीष्मावकाश में क्या करना चाहते हैं।

खण्ड ग

7. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारे विशाल देश में हिमालय की अनन्त हिमराशि ने जिन वारिधाराओं को जन्म दिया है, उनमें उत्तरापथ को सींचने वाली गंगा और यमुना नाम की नदियाँ जीवन की धमनियों की तरह हमारे ऐतिहासिक चैतन्य की साक्षी रही हैं। उनकी गोद में हमारे पूर्वपुरुषों ने सभ्यता के प्रांगण में अनेक नये खेल खेले। उनके तटों पर जीवन का जो प्रवाह प्रचलित हुआ, वह आज तक जीवंत है। भारत-भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं — यह एक सच्चाई हमारे रोम-रोम में बिंधी हुई है। नदियों की अन्तर्वेदी में पनपने वाले आदि युग के जीवन पर हम अब जितना अधिक विचार करते हैं, हमको अपने विकास और वृद्धि की सनातन जड़ों का पृथ्वी के साथ सम्बन्ध उतना ही अधिक घनिष्ठ जान पड़ता है। जब तक भारतीय जाति का जीवन भारत-भूमि के साथ बद्धमूल है, जब तक हमारे सांस्कृतिक पर्वों पर लाखों मनुष्य नदियों और जलाशयों के

तटों पर एकत्र होते हैं, जब तक देश के संकटों में बलिदान की भावना प्रत्येक मन में जागती है, जब तक एक देश के नागरिक के रूप में हमारी पहचान जीवित है, तब तक हमारे आंतरिक गठन और हमारे अस्तित्व को सकुशल समझना चाहिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख) गंगा और यमुना नदियाँ किसकी साक्षी रही हैं ? 1

(ग) कौनसी सच्चाई हमारे रोम-रोम में बिंधी हुई है ? 1

(घ) हमारे आंतरिक गठन की सुदृढ़ता के लक्षण क्या हैं ? 1

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।

पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि-अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है ?

उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच वह जल से ?
क्यों न उठा लेता निज संचित
कोष भाग्य के बल से ?

एक मनुज संचित करता है
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।

नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है
जिसके सम्मुख झुकी हुई
पृथिवी, विनीत नभ-तल है।।

(क) शस्त्र को शोषण का प्रतीक क्यों माना जाता है ? 1

(ख) किन प्रश्नों से भाग्यवादी को निरुत्तर किया जा सकता है ? 1

(ग) श्रम के परिणाम को कौन, कैसे भोगता है ? 1

(घ) श्रम की महत्ता किन पंक्तियों में बताई गई है ? 1

खण्ड घ

9. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह का बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है। उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आन्तरिक तत्त्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारों पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने कभी भी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन में बांधकर रखने का प्रयत्न किया है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए। 1

(ii) भारतीयों ने किसे महत्त्व नहीं दिया और क्यों ? 2

(iii) लेखक ने किसे निकृष्ट आचरण माना है ? उसे कैसे रोका जा सकता है ? 2

अथवा

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा है । यदि आप उसे प्रामाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फ़ौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठाक समझना उनकी क़द्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना व्यवहार-कुशलता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए। 1

(ii) किसी व्यक्ति के हृदय के निकट तक कैसे पहुँचा जा सकता है ? 2

(iii) कैसे व्यवहार को व्यवहार-कुशलता माना गया है ? 2

10. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका के संपादन के लिए क्या आदर्श निर्धारित किए थे ? प्रकाशन के लिए प्राप्त लेखों की भाषा का संशोधन करते हुए वे किन बातों का ध्यान रखते थे ? 6

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2 = 4

(क) 'व्यवहार-कुशलता' पाठ के आधार पर बताइए कि पहली बार विद्यार्थी ने ठीक से भाषण क्यों नहीं दिया था।

(ख) अपने दाह-संस्कार के विषय में नेहरू ने क्या इच्छा व्यक्त की ?

(ग) 'अपना-अपना भाग्य' पाठ में लेखक को लड़के की ग़रीबी का पता कैसे चला ?

12. सोमा बुआ अपने जीवन का अकेलापन किस प्रकार कम करती है ? 'अकेली' कहानी की घटनाओं के आधार पर लिखिए। 5

13. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

विघ्नों का दल चढ़ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगे।
अब न रहेंगे दलित दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगे।।
क्षुद्र स्वार्थ की ख़ातिर हम तो, कभी न गर्हित कर्म करेंगे।
पुण्यभूमि यह भारतमाता, जग की हम तो भीख न लेंगे।।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

(ii) 'दलित दीन नहीं रहेंगे' कथन किनके लिए है और इस कथन का क्या आशय है ? 2

(iii) अंतिम दो पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

हर संध्या को इसकी छाया सागर-सी लंबी होती है
हर सुबह वही फिर गंगा की चादर-सी लंबी होती है
इसकी छाया में रँग गहरा
है देश हरा, परदेश हरा
हर मौसम है संदेश भरा
इसका पद-तल छूने वाला वेदों की गाथा गाता है।
गिरिराज हिमालय से भारत का कुछ ऐसा ही नाता है।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

(ii) हिमालय की छाया की क्या विशेषता बताई गई है ? 2

(iii) अंतिम दो पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

14. निम्नलिखित का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 3

ध्यान-पूजा को किनारे रख दे
फूल की डाली को छोड़ दे
वस्त्रों को फटने दे, धूलि-धूसरित होने दे
उनके साथ काम करते हुए पसीना बहने दे।

अथवा

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।।

15. केवट की चाह वस्तुतः क्या थी ? उसके लिए वह अपनी चतुराई का परिचय क्या कहकर देता है ? 3

16. 'प्रियतम' **अथवा** 'एक फूल की चाह' कविता का प्रतिपाद्य लगभग 60 शब्दों में लिखिए। 4

17. (क) नामदेव छुआछूत और जात-पाँत का भेदभाव नहीं मानते थे — इसकी पुष्टि सम्बन्धित घटना का उल्लेख करते हुए कीजिए। 5

अथवा

'भारतीय भक्तिधारा' पाठ के आधार पर बताइए कि भक्ति-आंदोलन के लोकप्रिय होने के क्या कारण थे।

(ख) जीवन में पर्व-त्योहारों का महत्त्व समझाते हुए बताइए कि नववर्ष का पर्व भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कब और किन नामों से मनाया जाता है। 4

अथवा

भारत स्वतंत्रता-संग्राम में क्रांतिकारियों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

18. ''संचयिका भाग-2'' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर बीस-पच्चीस शब्दों में दीजिए : 2+2+2 = 6

(क) कालिदास को कवि-कुलगुरु क्यों कहा जाता है ?

(ख) युधिष्ठिर नकुल को ही जीवित क्यों देखना चाहते थे ? 'प्रश्न और प्यास' के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) मदुरै-स्थित मीनाक्षी मंदिर के शिल्प की विशेषताओं का उल्लेख 'सागर एक सरिताएँ अनेक' पाठ के आधार पर कीजिए।

(घ) 'ओणम्' पर्व कहाँ और क्यों मनाया जाता है ?